मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3208

22.07.2019 को उत्तर के लिए

जलवायु परिवर्तन के कारण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव

3208. श्री राम नाथ ठाकुर :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तीव्र जलवायु परिवर्तन देश की अर्थव्यवस्था, विशेषकर कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख) विभिन्न अध्ययनों में, मौसम की आवृत्ति और तीव्रता में परिवर्तन के साथ वैश्विक तापन की संभावित संबद्धता दर्शायी गई है। तथापि, विषम मौसमी घटनाओं से हुई हानि का जलवायु परिवर्तन से कोई प्रत्यक्ष संबंध होने का पता नहीं चलता है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 के लिए कराए गए आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, कृषि क्षेत्र पर तापमान और वर्षा का प्रभाव केवल विषम परिस्थिति में ही देखा जाता है; अर्थात जब तापमान बहुत अधिक होता है, वर्षा काफी कम मात्रा में होती है और ''शुष्क दिनों'' की संख्या सामान्य से अधिक होती है तथा ये प्रभाव, सिंचित क्षेत्रों की तुलना में गैर-सिंचित क्षेत्रों में प्रभावी रूप से अधिक प्रतिकूल होते हैं।

(ग) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने ''जलवायु परिवर्तन और भारत : एक 4x4 आकलन - वर्ष 2030 के लिए एक क्षेत्रीय और प्रादेशिक विश्लेषण'' शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में भारत के चार जलवायु के प्रति संवेदनशील प्रदेशों नामश: हिमालयी प्रदेश, पश्चिमी घाट, तटीय प्रदेश और पूर्वोत्तर प्रदेश में भारतीय अर्थव्यवस्था के चार प्रमुख क्षेत्रों नामश: कृषि, जल, प्राकृतिक पारिप्रणालियों और जैव-विविधता तथा मानव स्वास्थ्य पर वर्ष 2030 में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का आकलन उपलब्ध कराया गया है। इस मंत्रालय ने राष्ट्रीय संसूचनाओं के भाग के रूप में भारत में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से संबंधित अध्ययन कराए हैं जिनका सार, 'संवेदनशीलता आकलन और अनुकूलन' अध्यायों में दिया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) ने राष्ट्रीय जलवायु प्रत्यास्थी कृषि नवोन्मेष (एनआइसीआरए) परियोजना के अंतर्गत कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से संबंधित अध्ययन भी कराए हैं। इन अध्ययनों से तापमान; अवक्षेपण; कृषि क्षेत्र में चावल, गेहूं, नारियल, सेब, मक्का और ज्वार जैसी फसलों तथा पशुधन उत्पादकता; वनों की संरचना और शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता; विभिन्न जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के अंतर्गत वेक्टर जनित रोगों के लिए ट्रांसमिशन विंडोज पर परिवर्तनशील प्रभाव का पता चलता है।

*****